

प्रिय रत्ना साहेब,

आपके द्वारा भेजे गए कागज़ प्राप्त हो गये। पिछले माह में बम्बई गया था वहाँ श्रीमती गाँधी के पास चित्र दे दिया। उसका भुगतान भी मुझे मिल गया। वहीं पर कुछ और कागज़ रंग कैनवास आदि खरीदा है और अब अपना काम मैंने शुरू कर दिया है नई स्फूर्ति, नई उमंग और गहरी आस्था के साथ। अभी तो मैंने कैनवास पर एकेलिक रंगों से काम की शुरुआत की है जिसके आशातीत परिणाम सामने आ रहे हैं।

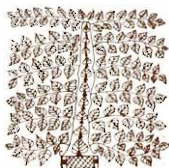
यहाँ आगकाल गर्मी बहुत है। आमतौर पर इतनी गर्मी मानवा अंचल में नहीं होती। इस वर्ष सूर्यदेवता की अतिरिक्त मेहरबानी शहर को बुरासाये हुये हैं। पिछले वर्ष पानी ना बिरने के कारण प्रदेश में सूखा घोषित किया गया था, गर्मी के कारण जल संकट गहराया है। इस वर्ष अच्छा पानी बिरने की संभावना है। बाकी यहाँ सब ठीक है। सभी दोस्त लोग अच्छे से हैं। मुसुफ, विजय शिंदे भी काम कर रहे हैं।

आपके स्वतः के इंतजार में

आपका ली.

—।।।।।।।।

१६ मई १९८८ को भोपाल से।



Achilles  
BHARAT BHAVAN

Shamla Hills, Bhopal 462 002 M.P. India  
Phones: 77361, 76163 Gram: Nyas